

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-72

दिनांक: शुक्रवार, 18 सितम्बर, 2026



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.1 एवं 23.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 73 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.4 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.4 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से 10 मि० गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.0 एवं दोपहर में 37.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 21.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(19-23 सितंबर, 2026)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा० आर० पी० सी० ए० यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 19 से 23 सितंबर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान अवधि में उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों पर आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की संभावना है। कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस दौरान तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30-36°C तथा न्यूनतम तापमान 23-27°C के बीच रह सकती हैं।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 80-90% तथा दोपहर में 55-60% के आसपास रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवा मुख्यतः पूर्वी या दक्षिण-पूर्वी दिशा से 8-12 किमी प्रति घंटा की गति से सकती है।

समसामयिक सुझाव

- मक्का: मक्का की फसल अभी टेसलिंग से सिलिकिंग अवस्था में है। इस समय नत्रजन की अंतिम मात्रा देने का उचित समय है। अच्छी वृद्धि एवं उत्पादन के लिए 30 किग्रा नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से अंतिम उपरिवेशन करें।
- शकरकंद: शकरकंद की बुआई करें। बुआई के लिए हल्की बलुई दोमट एवं उचित जल निकास वाली भूमि का चयन करें। पहली जुताई से पहले 100 किग्रा कम्पोस्ट प्रति हेक्टेयर मिट्टी में मिलाएं। अंतिम खेत तैयारी के समय 60 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा फास्फोरस एवं 60 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर दें। उत्तर बिहार के लिए राजेंद्र शकरकंद-5, राजेंद्र शकरकंद-35, राजेंद्र शकरकंद-47, राजेंद्र शकरकंद-43, श्री भद्रा, कालमेघ एवं राजेंद्र शकरकंद-92 उपयुक्त किस्में हैं। 30 × 30 सेमी की दूरी रखें।
- मिश्रीकंद: ऊंचास जमीन में मिश्रीकंद की बुआई करें। उत्तर बिहार के लिए राजेंद्र मिश्रीकंद-1 एवं राजेंद्र मिश्रीकंद-2 अनुशंसित किस्में हैं। 50-55 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई करें तथा 15 × 15 सेमी की दूरी रखें। खेत की तैयारी के समय 200 किग्रा कम्पोस्ट के साथ 80 किग्रा नत्रजन, 60 किग्रा फास्फोरस एवं 80 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर दें। बुआई के समय नत्रजन की आधी तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में दें। शेष नत्रजन बुआई के 40-45 दिन बाद उपरिवेशन के रूप में दें।
- मूली: वर्तमान समय में मूली की बुआई की जा सकती है। काशी हंस, काशी लोहित, जौनपुरी जायंट, पालम हृदय, काशी श्वेता, पंजाब अगेती, स्कारलेट लॉन्ग, पूसा चेतकी, पूसा देसी, पूसा हिमानी, पूसा रश्मि, जापानी व्हाइट, जौनपुरी, व्हाइट आइसीकल, पंजाब सफेद, चाइनीज पिक, हिसार मूली नं. 1 एवं अरका निशांत जैसी उपयुक्त किस्मों का चयन करें। 7-8 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई करें तथा 30 × 10 सेमी की दूरी रखें। 150-200 किग्रा कम्पोस्ट के साथ 60 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा फास्फोरस एवं 40 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर दें।
- पपीता: पपीते की बुआई करें। उत्तर बिहार के लिए पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डिलिशियस, सी.ओ.-7, अरका सूर्य एवं रेड लेडी जैसी किस्मों का चयन करें। 300-350 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई करें। बुआई से पहले बीज को बाविस्टिन 2 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करें। 150 गेज पॉलीथीन की 20 × 15 सेमी आकार की नर्सरी थैलियों में बीज बोएं तथा 7-10 सेमी की दूरी रखें। 20-25 सेमी ऊंचाई वाले स्वस्थ पौधों की मुख्य खेत में रोपाई करें।

आज का अधिकतम तापमान: 34.2 डिग्री सेल्सियस,
जो सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 24.5 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी